पाठ 15

चूड़ीवाला

यह सोचना बिल्कुल गलत है कि छोटे लोगों का ईमान मूल्यवान वस्तुओं पर डिग जाता है। इस कहानी में एक छोटी बालिका ने अपने पिता के चोरी करने के कारनामे को बताकर यह सिद्ध कर दिया है कि छोटे लोग भी बहुत ईमानदार होते हैं।

मैं अपनी गुड़िया से खेल रही थी कि बाहर से किसी ने लंबी हाँक लगाई, 'चूड़ियाँ ले लो, चूड़ियाँ। फिर किसी ने कहा, ''अरे नन्हीं, बाहर आकर देखो तो। तुम्हारे लिए चूड़ियाँ लाया हूँ।''

मैं भागी–भागी बाहर गई तो देखा कि चूड़ीवाला सिर पर चूड़ियों की टोकरी रखे खड़ा है। उसने मुझे देखकर कहा, ''आओ नन्हीं, कुछ चूड़ियाँ खरीद लो।''

मैं बोली, ''मुझे चूड़ियाँ खरीदनी तो थीं, मगर खरीद नहीं सकती क्योंकि माँ बाहर गई हैं। पैसे कौन देगा ?''

''कोई बात नहीं। आओ, आकर चुन तो लो। मैं पैसे किसी और दिन आकर ले जाऊँगा।''

मैं थोड़ी देर सोचती रही। चूड़ीवाले ने मुस्कराकर पूछा, ''बिटिया, तुम्हें कौन–से रंग की चूड़ियाँ सबसे ज्यादा पसंद हैं ?''

'' नारंगी,'' मैंने उत्तर दिया और चूड़ियाँ भी चुन लीं। चूड़ीवाले ने वे छह चूड़ियाँ मुझे पहना दीं। तब तक माँ भी आ गईं और उन्होंने चूड़ीवाले को पैसे दे दिए।

कुछ दिनों बाद चाचा मेरे लिए एक सुन्दर–सी, बोलनेवाली गुड़िया ले आए। उसे पाकर मैं तो पुलकित हो उठी।

मैंने माँ से कहा, ''अम्मा, मैं अपनी गुड़िया के लिए भी चूड़ियाँ खरीदूँगी।''

माँ ने कहा, ''बेटी, जरूर लेना। चूड़ीवाले को आने दो।''

एक दिन गली में ''चूड़ियाँ ले लो, आओ लड़कियो, चूड़ियाँ ले लो,'' की आवाज़ सुनाई पड़ी। मैं अपनी गुड़िया को साथ लेकर, लपककर नीचे उतरी। मैंने चूड़ीवाले को बुलाया। वह चूड़ियों की टोकरी के साथ बरामदे में आकर बैठ गया।

उसने पूछा, ''अब कौन–सी चूड़ियाँ चाहिए ?''

मैंने उसे अपनी गुड़िया दिखाकर कहा, ''मेरी गुड़िया के लिए अच्छी–सी चूड़ियाँ दे दो।''

चूड़ीवाले ने हँसकर कहा, ''हाँ, हाँ! क्या यह तुम्हारी बिटिया है ?''

''हाँ!''

शिक्षण–संकेत : बच्चों से फेरीवालों के संबंध में चर्चा करें। इनसे तुमको क्या लाभ होता है– पूछें और बताएँ। चूड़ियों के संबंध में भी चर्चा करें। पाठ का सारांश बता दें और छोटे–छोटे समूह में पाठ बाँट दें। बच्चे समूह में अनुच्छेद पढ़कर चर्चा करें। अपने–अपने समूह का सारांश कहलवाएँ। बाद में पाठ का वाचन करें और अनुकरण वाचन कराएँ। विद्यार्थियों के उच्चारण पर विशेष ध्यान दें। ड और ड़ के उच्चारण को स्पष्ट करें।

उसने मेरी गुड़िया के लिए लाल चूड़ियाँ चुनकर निकालीं। फिर मेरी गुड़िया को देखकर बोला, ''बड़ी सुन्दर है गुड़िया तुम्हारी; बहुत महँगी होगी।''

''हाँ, बहुत कीमती है।''

''मेरी बेटी को भी ऐसी गुड़िया पसंद आएगी।''

''तुम्हारी बेटी भी है क्या ?''

''हाँ, तुम्हारी ही उम्र की होगी।''

''क्या उसके पास गुड़िया नहीं है ?''

''नहीं, हम गरीब आदमी हैं। ऐसी गुड़िया कहाँ से खरीदेंगे ?''

''चिंता मत करो। मैं चाचा से कहकर एक गुड़िया और मँगवा दूँगी। चूड़ियों के कितने पैसे देने हैं ?''

''पचास पैसे।''

''जरा मेरी गुड़िया का ध्यान रखना, मैं पैसे लाती हूँ।''

मैं लपककर ऊपर माँ के पास पैसे लेने गई लेकिन जब वापस नीचे पहुँची तो चूड़ीवाला जा चुका था और मेरी गुड़िया भी गायब थी।

''मेरी गुड़िया, मेरी गुड़िया.....'' मैं रोती हुई माँ के पास पहुँची।

''माँ, चूड़ीवाला मेरी गुड़िया ले गया। मेरी नई गुड़िया।''

''चूड़ीवाला! तुमने उसे गुड़िया क्यों दी ?'' माँ ने कहा और वे भागकर चूड़ीवाले को देखने बाहर निकलीं।

मैं रो रही थी।

मेरी माँ ने मुझे चुप किया और पड़ोसियों को भी सतर्क रहने के लिए कहा।

उस रात मैं रोती–रोती सोई। अगली सुबह मैं जल्दी ही उठ खड़ी हुई और खिड़की के पास बैठ गई। तभी मैंने देखा कि एक आदमी चादर ओढ़े हमारे घर की ओर आ रहा है। उसके साथ एक छोटी लड़की भी थी। मैं उस आदमी का चेहरा नहीं देख पा रही थी।

हमारे घर के सामने आकर वह आदमी रुक गया। उस आदमी ने लड़की को एक पैकेट दिया और कुछ कहा।वह लड़की पैकेट पकड़े हुए हमारे फाटक के निकट आई। उसकी फ्राक गन्दी और फटी हुई थी।

मैं उसे फाटक के पास खड़े देख नीचे उतरी। मैंने लड़की से पूछा, ''तुम कौन हो ? क्या चाहिए ?'' वह कुछ देर देखती रही, फिर उसने पूछा ''तुम्हारी अम्मा कहाँ हैं ?''

''ऊपर हैं।''

लड़की ने सावधानी से पैकेट खोला। उसमें मेरी गुड़िया थी।

''अरे , यह तो मेरी गुड़िया है। तुम्हें कहाँ मिली ?''

वह ऐसे बोली, जैसे उसने मेरा प्रश्न सुना ही न हो। ''तुम अपनी गुड़िया ले लो। ये जो फाटक के पास खड़े हैं, मेरे पिता जी हैं। वे चूड़ियाँ बेचते हैं। जब वे मेरे लिए यह गुड़िया ले गए तो मुझे आश्चर्य हुआ कि वे इतनी कीमती गुड़िया कहाँ से लाए।'' कुछ देर रुककर उसने फिर कहना शुरू किया, ''हम गरीब हैं। ऐसी गुड़िया के बारे में मैं सपने में भी नहीं सोच सकती थी।''

मैं कुछ बोल न सकी। तभी चूड़ीवाला भी आगे आ गया। उसने चेहरे से चादर हटाई और धीमे स्वर में कहा, ''नन्हीं, अपनी गुड़िया ले लो। मैं इसे अपनी बेटी के लिए ले गया था। जब इसने सुना कि मैंने गुड़िया चोरी की है तो इसने इसे लेने से इंकार कर दिया।''

मैंने अपनी गुड़िया उठाई और गले से लगा ली और कहा –

''मुन्नी! धन्यवाद। मैं तुम्हें सदा याद रखूँगी।''

इतने में मेरी अम्मा फुर्ती से नीचे उतर आईं। जब उन्होंने पूरी कहानी सुनी तो वे बोलीं, ''चूड़ीवाले, ये पैसे लो। जाकर अपनी बेटी को गुड़िया खरीद देना।''

जैसे ही वे फाटक से बाहर निकले, मुन्नी मुड़कर मुस्कराई। मैंने हाथ हिलाया और उसने भी इसका उत्तर हाथ हिलाकर दिया।

शब्दार्थ

परिचित	–	जाना–पहचाना	सँभलकर	–	सावधानीपूर्वक
फाटक	–	बड़ा दरवाजा	सतर्क	–	सावधान
आश्चर्य	–	हैरानी, अचंभा			

प्रश्न और अभ्यास

प्रश्न 1 नन्हीं की गुड़िया कौन ले गया और क्यों ?

प्रश्न 2 नन्हीं की माँ ने पड़ोसियों को चूड़ीवाले से सावधान रहने के लिए क्यों कहा ?

प्रश्न 3 चूड़ीवाले की बच्ची ने नन्हीं की गुड़िया क्यों लौटा दी ?

प्रश्न 4 तुम्हारी कोई प्रिय चीज खो जाने या नष्ट हो जाने पर तुम्हें कैसा लगता है ?

प्रश्न 5 चूड़ियाँ किस–किस पदार्थ से बनती हैं ?

प्रश्न 6 चूड़ीवाला अपना मुँह ढँककर क्यों आया था ?

प्रश्न 7 नन्हीं और मुन्नी दोनों में से तुम्हें किसका चरित्र अच्छा लगा? उसके चरित्र की विशेषताएँ लिखो।

प्रश्न 8 'दुकान' शब्द में 'दार' शब्द लगाने से शब्द बना 'दुकानदार'। इसी तरह तुम भी 'दार' लगाकर पाँच शब्द बनाओ और उन्हें अपने वाक्यों में प्रयोग करो।

प्रश्न 9 जैसे 'चूड़ी बेचनेवाले को चूड़ीवाला कहते हैं, वैसे ही इन्हें क्या कहेंगे ?'

क. दूध बेचनेवाले को ख. सब्जी बेचनेवाले को।

ग. रिक्शा चलानेवाले को। घ. चाट बेचनेवाले को।

ङ. ताँगा चलानेवाले को ।

प्रश्न 10 चूड़ीवाले ने मुस्कराकर पूछा। इस वाक्य का अर्थ है – चूड़ीवाला मुस्कराया फिर उसने पूछा। अब इन वाक्यों को इसी प्रकार तोड़कर लिखो।

क. चूड़ीवाला गुड़िया लेकर चला गया ।

ख. पुलिस ने चोर से डाँटकर पूछा।

ग. मैंने उसे अपनी गुड़िया दिखाकर कहा।

प्रश्न 11 नीचे लिखे सभी शब्द स्त्रीलिंग शब्द हैं। इनमें बाईं ओर के सभी शब्द आ की मात्रा (ा) से अन्त होने वाले हैं और दाईं ओर के शब्द 'ई' की मात्रा (ी) से अंत होनेवाले हैं। इनके बहुवचन बनाने के नियम समझो।

एकवचन	**बहुवचन**	**एकवचन**	**बहुवचन**
गुड़िया	गुड़ियाँ	चूड़ी	चूड़ियाँ
चुटिया	चुटियाँ	खिड़की	खिड़कियाँ
खटिया	.....	लड़की	.....
डिबिया	.....	बिजली	.....
पटिया	.....	चींटी	.....
बछिया	.....	सीटी	.....
चिड़िया	.....	सीढ़ी	.....

रचना

- किसी फेरीवाले पर आठ वाक्य लिखो।

योग्यता विस्तार

- तुम्हारे आसपास इसी तरह की घटना घटी हो या तुम्हारी जानकारी में ऐसी घटना हो तो उसे कक्षा में सुनाओ।
- ऐसी कौन – कौन सी चीजें हैं जो तुम्हारे घर के पास ही बिकने आती है।
- जब ये अपना सामान बेचने आते हैं तो बताओ कैसी आवाजें निकालते हैं।

सब्जीवाला – .....

दूधवाला – .....

कबाड़ी वाला – .....